सत्यमेव जयते

संदेश

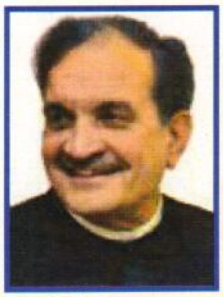

इस्पात मंत्री, भारत सरकार

हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर आप सबको मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

भाषा विचारों और भावों की अभिव्यक्ति का माध्यम होने के साथ–साथ राष्ट्र एवं समाज की संस्कृति की पोषक और संवाहक भी होती है। भारत की संविधान सभा ने 14 सितम्बर, 1949 को देवनागरी में लिखी जाने वाली हिंदी को देश की राजभाषा के रूप में अंगीकार किया था। इसी उपलक्ष्य में यह दिन हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। हमारा यह संवैधानिक दायित्व है कि हम हिंदी को देश की सम्पर्क भाषा, राष्ट्रभाषा और राजभाषा के रूप में अपनाएं। हिंदी बहुत सरल और उदार भाषा है जो संपूर्ण भारत में बोली व समझी जाती है। हिंदी दिवस के अवसर पर इसका प्रयोग केवल एक पखवाड़े तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि हम सबको पूरे वर्ष इसी उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ हिंदी में कार्य करना चाहिए।

राजभाषा हिंदी सरकार एवं जनता के बीच संपर्क का एक महत्वपूर्ण माध्यम ही नहीं है बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की भाषायी पहचान भी है। आज हिंदी राष्ट्रीय सीमाओं को लांघकर अंतर्राष्ट्रीय फलक पर अपना एक अहम स्थान बना चुकी है । हम देशवासियों के लिए यह गौरव की बात है कि इसने भारत में व्यापार एवं संचार की प्रमुख भाषा का रूप भी ले लिया है जिससे लोगों के लिए रोजगार के विपुल अवसर भी सृजित हुए हैं।

हमारी सरकार ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री जन–धन योजना, मेक इन इण्डिया, कौशल भारत कुशल भारत, डिजिटल इण्डिया, स्वच्छ भारत अभियान आदि जैसे अनेक अभिनव कार्यक्रम शुरू किए हैं जिनका आम लोगों तक प्रचार–प्रसार राजभाषा के माध्यम से ही संभव हो सका है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, व्यापार एवं संचार के क्षेत्र में हुई प्रगति का समुचित लाभ हमें हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं के माध्यम से ही मिल सकता है। अतः यह जरूरी है कि इस्पात मंत्रालय के साथ–साथ इसके नियंत्रणाधीन सभी उपक्रम एवं कार्यालय अपने कामकाज में राजभाषा हिंदी का प्रयोग इस ढंग से करें कि यह विभिन्न भारतीय भाषाओं के बीच सेतु का कार्य कर सके ।

हिंदी दिवस के इस अवसर पर मैं आप सभी को बधाई देता हूँ । आइए, इस अवसर पर हम सब हिंदी के प्रति अपने संवैधानिक दायित्व को समझते हुए शपथ लें कि अपना सरकारी कामकाज यथासंभव हिंदी में करते हुए राजभाषा के विकास में अपना निरन्तर योगदान देंगे।

उद्योग भवन, नई दिल्ली
दिनांक : 14 सितम्बर, 2016

(बीरेन्द्र सिंह)